The Research Dialogue

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-2, Issue-1, April-2023
www.theresearchdialogue.com

शिक्षा और दर्शन

डॉ0 अजय कुमार मिश्र

विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र

गनपत सहाय पी0जी0 कॉलेज, सुलतानपुर।

Email Id- ajaymedu@gmail.com

प्रस्तावना—

शिक्षा—दर्शन शिक्षाशास्त्र की वह शाखा है, जिसमें शिक्षा के सम्प्रत्ययों, उद्देश्यों, पाठ्यक्रम, शिक्षण विधियों एवं शिक्षा सम्बन्धी अन्य समस्याओं के सन्दर्भ में विभिन्न दार्शनिकों एवं दार्शनिक सम्प्रदायों के विचारों का आलोचनात्मक अध्ययन किया जाता है। शिक्षा—दर्शन, दर्शन का ही एक क्रियात्मक पक्ष है, जिसका विवेचन अलग से न होकर दर्शन के अंदर ही किया गया है, क्योंकि उसमें भी अन्तिम सत्यों, मूल्यों, आदर्शों, आत्मा—परमात्मा, जीव, मनुष्य, संसार, प्रकृति आदि पर चिंतन एवं उसके स्वरूप को जानने का प्रयास किया जाता है। शिक्षा और दर्शन के मध्य सम्बन्ध इस बात से भी स्पष्ट होता है कि जितने भी शिक्षाशास्त्री हुए हैं, वे सब महान दार्शनिक रहे हैं। शिक्षा ही वह माध्यम है, जिसके द्वारा दर्शन के सिद्धान्तों को अगली पीढ़ी तक पहुँचाया जा सकता है।

अतः यह सत्य है कि शिक्षा द्वारा ही दर्शन का संरक्षण किया जा सकता है।

शिक्षा और दर्शन में सम्बन्धः–शिक्षा और दर्शन में निम्नलिखित सम्बन्ध है, जो इस प्रकार है–

1. दर्शन जीवन के लिए आदर्शों एवं मूल्यों की स्थापना का कार्य करता है, शिक्षा उसके क्रियान्वयन तथा प्रसार का कार्य करता है।
2. दर्शन की विचाराधारा के अनुरूप शिक्षा की संरचना की जाती है।
3. शिक्षा क्रियात्मक है, जबकि दर्शन विचारात्मक।
4. दर्शन सत्यता खोजता है तथा शिक्षा उसका प्रयोग करती है।
5. शिक्षा का दार्शनिक आधार होता है।
6. महान दार्शनिक महान् शिक्षाशास्त्री हुए हैं तथा महान् शिक्षाशास्त्री महान दार्शनिक।
7. दर्शन तथा शिक्षा दोनों ही मानव जीवन के लिए आवश्यक है।
8. शिक्षा तथा दर्शन एक दूसरे पर निर्भर है।
9. दर्शन शिक्षा को निर्देशित करता है तथा शिक्षा दर्शन को।
10. जब तक समस्त दार्शनिक समस्याओं को व्यावसायिक रूप नही दिया जाता है, जब तक चैन नही आ सकता।
11. शिक्षा एक ऐसी प्रयोगशाला है, जहाँ दार्शनिक सिद्धान्त तथा विशिष्टताएँ स्पष्ट होती है तथ उनका परीक्षण होता है।
12. शिक्षा और दर्शन एक ही सिक्के के दो पहलू है एक–दूसरे में निहित है। पहला विचारपूरक पहलू है दूसरा क्रियाशील।

प्लेटो के शैक्षिक चिंतन–महान यूनानी दार्शनिक प्लेटो का जन्म् 427 ई0 पूर्व में एथेन्स के एक कुलीन परिवार में हुआ था। उनके पिता अरिस्टोन एथेन्स के अंतिम राजा कोर्डस के वंशज तथा माता परिकतिओन यूनान के सोलन घराने की थी। प्लेटो का वास्तविक नाम **एरिस्तोकलीज** था, उनके अच्छे स्वास्थ के कारण उनके व्यायाम शिक्षक ने उनका नाम **प्लातीन** रख दिया। प्लेटो ने आजीवन शिक्षा की व्याख्या की है शिक्षा को निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया बताया है यह सिर्फ मानसिक ही नही, धार्मिक, नैतिक और शारीरिक भी है। वह आरम्भ से ही राजनीतिज्ञ बनना चाहता था लेकिन उसका यह स्वप्न पूरा न हो सका और वह एक महान् दार्शनिक बन गया।

प्लेटो की मान्यता है कि–मनुष्य की आत्मा कोई निश्रेष्ठ वस्तु न होकर सक्रिय तत्व है। अपनी सक्रियता के कारण मन अपने आप को पर्यावरण के हर पदार्थ की ओर अग्रसर करता है। प्लेटो ने अपनी पुस्तक **"रिपब्लिक"** में शिक्षा की सार्वभौमिक प्रकृति की चर्चा की है। वे जन शिक्षा का प्रबल समर्थक थे। उनके लिए विधिक रूप से शिक्षा सार्वभौमिक होती है। वे अनिवार्य

शिक्षा के प्रबल समर्थक थे। शिक्षा के प्रति उनकी आवधारण राजनीतिक थी। उन्होंने लोगों माता–पिता से सम्बन्ध होने के बजाय राज्य से सम्बन्ध होने के रूप में समर्थन किया। यह इसलिए कि बच्चे को शिक्षित करने का उत्तरदायित्व केवल माता–पिता का नही है बल्कि यह राज्य का भी उत्तरदायितव है।

प्लेटो का सार्वभौमिक शिक्षा के विचार को वैश्विक स्तर पर व्यवहार किया गया।

प्लेटो के शैक्षिक विचार के मुख्य बिन्दु निम्नलिखित है–

1. मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य आत्मबोध है जो वास्तविक मूल्यों जैसे सत्यम्, शिवम् तथा सुन्दरम् के माध्यम से सम्भव हो सकता है।
2. उत्तम राष्ट्र के लिए उत्तम तथा योग्य नागरिकों की आवश्यकता होती है अतः विद्यार्थियों में उत्तम नागरिककता का विकास शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए।
3. शिक्षा का लक्ष्य अच्छे व्यक्तिव के विकास के लिए होना चाहिए।
4. मानव मनोवैज्ञानिक प्राणी होता है अतः मानव के शारीरिक एवं मानसिक पक्षों का संतुलित विकास शिक्षा का कार्य होना चाहिए।

गाँधी जी के शैक्षिक चिंतन–गाँधी जी का जन्म् 2 अक्टूबर सन् 1869 को गुजरात के पोरबन्दर में हिन्द परिवार में हुआ। पिता करमचन्द्र गाँधी और माता पुतलीबाई द्वारा उनका मोहनदास रखा गया। जिससे उनका पूरा नाम मोहनदास करमचन्द्र गाँधी हुआ, जो ब्रिटिश राज के समय काठियावाड़ की एक छोटी सी रियासत के दीवान थे। महात्मा गाँधी का विवाह महज 13 साल की उम्र में कस्तूरबा गाँधी के साथ हो गया था।

युगपुरूष राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने भारत को आजाद कराने में ही अपना योगदान नही दिया बल्कि उन्होंने एक दूरदर्शी शिक्षावृत्त के रूप में कर्तव्य एवं कर्म आधारित मूल्यवादी दृष्टिकोण से एक नई शिक्षा योजना की रूपरेखा प्रस्तुत किये उनके द्वारा चलाया गया शिक्षा योजना को बेसिक शिक्षा योजना वर्धा योजना आधारभूत योजना के नाम से जाना जाता है गाँधी जी शिक्षा को एक व्यापक प्रक्रिया मानते थे वस्तुतः शिक्षा वह है जो व्यक्ति निहित सभी पक्षों का बहुमुखी विकास करती है उनका मानना था कि शरीर मन, हृदय और आत्मा के योग से मानव का विकास होता है। उनका मानना था कि शिक्षा से मनुष्य के शरीर, मन और आत्मा का सर्वोत्तम् विकास होता है।

गाँधी जी के शैक्षिक विचार–गाँधी जी का विचार शिक्षा के क्षेत्र में आदर्शवादी और प्रयोगवादी और प्रयोगवाद था। आदर्शवादी के दृष्टिकोण के अनुरूप गाँधी सर्वोच्च उद्देश्य के रूप में आत्मबोध कराना शिक्षा का प्रधान उद्देश्य मानते थे।

समस्या कथन–''प्लेटो के शैक्षिक चिंतन एवं महात्मा गाँधी के शैक्षिक चिंतन का तुलनात्मक अध्ययन ?''

समस्या का परिभाषीकरणः–हमारी शोध विधि में समस्या को इस प्रकार परिभाषित किया गया है:–

शैक्षिक चिंतनः–शिक्षा मनोविज्ञान में चिंतन शब्द का उपयोग काफी प्रचलित है 'चिंतन' एक ऐसी मानसिक प्रक्रिया है जो सभी प्राणियों में होती है इसे वातावरण से मिलने वाली सूचनाओं का मानसिक जोड़–तोड़ या फिर किसी समस्या व समाधान के बीच की मध्यस्थ प्रक्रिया के रूप में देखा जाता है।

तुलनात्मकः–तुलनात्मक राजनीति में दो या अधिक देशों कीप राजनीति की तुलना की जाती है और देखा जाता है कि इनमें समानता क्या है और अंतर क्या है ''एडवर्ड फ्रीमैन एवं सरकारो के विविध प्रकारों का एक तुलनात्मक विवेचन एवं विश्लेषण है।

अध्ययन–अध्ययन का शाब्दिक अर्थ है, पठन–पाठन। किसी विषय की गहनता से पढ़ाई। अध्ययन एक कला है जिसमें एक मनुष्य कुछ करने करवाने आदि बातों को सीखता है।

अध्ययन की परिकल्पनाएँः–हमारी शोध विधि में परिकल्पना शून्य (0) पर निर्भर करती है।

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययनः–

महात्मा गाँधी की पुस्तक का नाम–

मेरी जीवन कथा पत्रिका

गीता बोध

हिन्द स्वराज

मेरे सपनों का भारत पत्रिका।

प्लेटो की पुस्तक का नाम–

'द' रिपब्लिक'

'द स्टैटमैन'

'द' लॉग'

'द' इयोन सिम्पोजियम'

शोध विधिः—हमारी शोध विधि तुलनात्मक पद्धति द्वारा की गयी है। जिसमें शैक्षिक विचारों की तुलना की गयी है।

अध्ययन हेतु उपकरणः—हमने अपनी शोध विषय में शिक्षा के लिए पुस्तक एवं पुस्तिकाएं, इन्टरनेट और प्लेटो तथा गाँधी जी द्वारा रचित पुस्तक जैसे—गाँधी स्मृति और दर्शन सीमित, गाँधी संग्रहालय आदि से प्राप्त किया है।

न्यायदर्शः—उपर्युक्त विवरण के आधार पर निष्कर्ष रूप में हम कह सकते हैं कि प्लेटो के शैक्षिक चिंतन एवं महात्मा गाँधी के तुलनात्मक अध्ययन में शिक्षा के प्रति दोनों के विचार उच्च स्तरीय है। शिक्षा के प्रति दोनों का विशेष योगदान रहा है। शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करना व उन्हें आगे बढ़ाना तथा शिक्षा को हर रूपों में एक नई दिशा व एक नया रूप दिया है जो उल्लेखनीय है।

अध्ययन का सीमांकनः—प्लेटो के शैक्षिक चिंतन एवं महात्मा गाँधी के शैक्षिक चिंतन के तुलनात्मक अध्ययन तक ही सीमित है।

ग्रंथ सूचीः—

1. पाण्डे (डॉ) रा0श0 उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षक, आगराः अग्रवाल प्रकाशन।
2. सक्सेना (डॉ) सरोज शिक्षा के दार्शनिक व सामाजिक आधार आगराः साहित्य प्रकाशन.
3. मितत्तल, एम0एल0 (2008) उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षक, मेरठः इन्टरनेशनल पब्लिशिंग हाउस.
4. शर्मा, रा.ना. व शर्मा, रा.कु. (2006) शैक्षिक समाज शास्त्र, नई दिल्लीः एटलाटिक पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्सः
5. गुप्त, रा.ब. (1996) भारतीय शिक्षा शास्त्र, आगराः रतन प्रकाशन मन्दिर

.

THE RESEARCH DIALOGUE

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-2, Issue-1, April-2023
www.theresearchdialogue.com
Certificate Number-April-2023/26

Certificate Of Publication

This Certificate is proudly presented to

डॉ0 अजय कुमार मिश्र

for publication of research paper title

शिक्षा और दर्शन

Published in 'The Research Dialogue' Peer-Reviewed / Refereed Research Journal and E-ISSN: 2583-438X, Volume-02, Issue-01, Month April, Year-2023.

Dr.Neeraj Yadav
Executive Chief Editor

Dr.Lohans Kumar Kalyani
Editor-in-chief

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at www.theresearchdialogue.com